647510 **BRS2HinF501B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 2 (*CBCS*) Examination
March/April – 2024 (As Per Syllabus Year-2018)
HINDI (FND-5)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न- १ मैथिलीशरण गुप्त के जीवन का परिचय देते हुए उनके साहित्य पर प्रकाश डालिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- १ खंण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथ-वध' खण्डकाव्य का मूल्यांकन कीजिए ।

प्रश्न- २ (अ) सूचनानुसार उत्तर दीजिए । (०५)

हिन्दी मानक व्यंजनों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न- २ (ब) निम्नांकित में से पाँच महावरों का अर्थ दीजिए । (०५)

(१) गंगा नहाना
(२) आस्तीन का साँप
(३) नौ दो ग्यारह होना
(४) कान का कच्चा होना
(५) घाट-घाट का पानी पीना
(६) ठेस लगना
(७) श्री गणेश करना

प्रश्न- २ (क) निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती में अनुवाद कीजिए । (०४)

"ज्ञान प्राप्त करने के लिए घूमने से अच्छा साधन मिलना मुश्किल है । देशाटन मनुष्य के आचरण पर जबरदस्त प्रभाव डालकर उसके चरित्र का निर्माण भी करता है । विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलने-जुलने से मनुष्य सभ्यता सीखता है । जब तक हम अपने ही घर पर रहते हैं तब तक अपने को ही बुद्धिमान, योग्य और गुणी समझते है, पर बाहर निकलकर ही हम पता चलता है कि संसार बहुत विस्तृत है ।"

प्रश्न- ३ निम्नांकित में से किन्ही दो संसन्दर्भ की व्याख्या कीजिए । (१४)

(१) "अधिकार खोकर बैठे रहना, यह महा दुष्कर्म है,
न्यायार्थ अपने बंधु को भी दंड देना धर्म है ।"
(२) मैं यह नहीं कहती कि रिपु से जीवितेरा लडे नहीं,
तेजस्वियों की आयु भी देखी भी जाती कहीं ।"
(३) क्षत्राणियों के अर्थ भी सबसे बडा गौरव यही,
सज्जित करे पति-पुत्र को रण के लिए जो आप ही ।"
(४) कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भरजाये , ।
हिम के कणों से मानो हो गये पंजत तये।

प्रश्न- ४ 'जयद्रथ-वध' खण्डकाव्य के नायक 'अर्जुन' का चरित्र-चित्रण कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- ४ 'जयद्रथ-वध' के संदेश एवं उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न- ५ 'जयद्रथ-वध' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- ५ अभिमन्यु का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

****